

- पिण्डः (as of wood), Li. 203. III. Of voice :
 (1) स्वरपवातः ; (2) स्वरमङ्गः ; and sim. comp.s
 THICK-SET : (1) संहत (f. ता) : v. Compact ;
 (2) निविड (f. डा) : v. Dense.
 THICK-SKINNED : Fig. : (1) कठिन (f. ना = callous) ; (2) सहिष्णु (mfn. = forbearing).
 THIEF : (1) चौरः, *open t.ves such as merchants* : प्रकाशचौरा वणिगादयः, Viv. ; t. -catcher : चौरग्राहः, Kat. ; (2) तस्करः, *for putting down t.s* : तस्कर-प्रतिषेधार्थम्, M. ix. 266. ; (3) स्तेनः, *who give food and lodging to t.ves* : मक्तावकाशदातारः स्तेनानाम्, N. d. ; (4) मोषः, -कः, *seeing a t.* : मोषामिदर्शने, M. ix. 274. ; (5) कुम्भिलः, -कः ; (6) मलिम्बुचः ; (7) पाटञ्जरः. N.B. 5 to 7 are rare.
 THIEVE : स्तेनयति (स्तेन्, c. 10.) : v. To steal.
 THIEVISH : I. Lit. : by comp., II. Secret : q.v.
 THIEVISHNESS : चौर्यशीलता and sim. comp.s : v. Also secrecy.
 THIGH : (1) ऊरुः, *t.s* : ऊरु, Ve. ; (2) सक्थि (n.), *long-t.ed* : दीर्घसक्थि (f. कथा : v. Gram. A. 11. and 56).
 THIMBLE : perh. अङ्गुलित्रयम् or -त्राणम् and sim. comp.s, Mah.
 THIN (adj.) : (1) सूक्ष्म (f. द्दमा), *t. oil* : सूक्ष्मं तैलम्, Bha. : v. Fine. ; (2) तनु (f. also त्नी), *t. dress* : तन्वशुकम्, Ri. iv. 3. : v. Slender, lean, little ; (3) विरल (f. ला : rare), *having t. arrangement* : विरलमक्ति (mfn.), R. v. 74. : v. Rare, scarce.
 THIN (v.) : (1) क्लृपयति (nomi. = make slender) ; (2) विरलयति (nomi. = make less close).
 THINE : त्वदीयः (या, यं) : v. Thy.
 THING : (1) वस्तु (n.), *sir, what t. is to be given to your preceptor* : किं वस्तु विद्वन् गुरवे प्रदेयम्, R. v. 18. ; *why I have been confined or why I have been brought here, about these t.s my curiosity has not been removed* : किमर्थं बाहं बद्धो बद्धा वा किमर्थमिहानीत इत्यत्र वस्तुन्यहमनपगतकौतुक एव, K. ; (2) द्रव्यम् (= material), *he who injures, breaks or crushes t.s* : क्षतं मङ्गावमदौ वा कुर्याद्रव्येषु यो नरः, Kat. ; (3) विषयः (= object : q.v.).
 THINK : (1) मन्यते (मन्, c. 4.), *t.ing that title of*

- lord only remains with you* : मत्वा भवन्तं प्रमुशब्द-शेषम्, R. v. 22. ; *if you t. much of what I say* : अस्माकमुक्तं बहुमन्यसे चेत्, B. iii. 53. : v. Consider, suppose ; (2) चिन्तयति, वि-, सं-, परि-, अनु- (चिन्त्, c. 10. = reflect) *he simply t.s of fears to come from you* : स चिन्तयत्येव भयस्त्वदेष्ट्यतीः, Ki. i. 23. ; *while I was thus t.ing* : इत्येवं चिन्तयन्तम्, K. ; (3) ध्यायति, अनु- (ध्यै, c. 1. = 2.) *t. of the child in womb* : प्रजानिषेकमनुध्यायत्, R. xiv. 60. ; (4) स्मरति, अनु- (स्मृ, c. 1. = remember), *to t. of heaven* : दिवः स्मर्तुम्, Ki. v. 28. ; (5) अध्येति (ह, c. 2. = 5), *t.s only of me* : मामेवाध्येति, Ki. xi. 74.
 THINKER : (1) सूरिः ; (2) मुनिः (= sage).
 THINLY : (1) तनु : v. Slenderly ; (2) विरलम् : v. Rarely ; (3) by comp., *t. populated* : विरलजन or अल्पजन (f. ना).
 THINNESS : (1) तनुता : v. Slenderness ; (2) सूक्ष्मता : v. Fineness ; (3) विरलता or वैरल्यम् (= scarcity).
 THIN-SKINNED : Fig. : Sensitive : q.v.
 THIRD (adj.) : तृतीयः (या, यं), *in the t. place* : तृतीयतः ; *for the t. time* : तृतीयवारम् ; *there is no t. course* : अन्या गतिर्नास्ति. Ph. : *t. estate* i.e. commonalty : प्रकृतयः (f. pl. ?).
 THIRD (subs.) : I. A t. part : (1) तृतीयांशः ; (2) तृतीयभागः ; (3) त्रिभागः ; (4) त्र्यंशः, *two-t. s* : द्वौ त्र्यंशौ, Li. ; (5) त्रिलवः, *two-t. s* : त्रिलवद्वयम्, Li. II. In music : गान्धारः (?).
 THIRDLY : (1) तृतीयतः ; (2) तृतीयम्.
 THIRST (subs.) : (1) तृष्णा (lit. and fig.), *t. for wealth* : धनागमतृष्णा, J. ; *t., you are still not satisfied* : तृष्णे नाद्यापि सन्तुष्यसि, J. ; (2) पिपासा (lit.), *to quench t.* : पिपासां प्रतिकर्तुम्, D. viii. ; *to remove t.* : पिपासामपनयति, D. ; *very great t.* : अतिप्रबलपिपासा, K. ; (3) उदन्या (= 2 : rare), *quenching of t.* : उदन्याप्रतीकारः, Ve. vi. ; (4) तृष् or तृषा (= 1 : rare).
 THIRST (v.i.) : (1) तृष्यति (तृष्, c. 4. : lit. and fig.), Ki. xi. 74. ; (2) उदन्यति (nomi. : lit. rare), B. iv. 44.
 THIRSTY : (1) तृषितः (ता, तं), *I am t.* : तृषितोऽस्मि Ve. vi. ; (2) तृषार्तः (तर्, तं) ; (3) पिपासितः